**Title: Need to review transfer policy in Kendriya Vidyalaya.Sangathan, particularly in Bihar.**

**श्री राधा मोहन सिंह (मोतिहारी) :** महोदय, केन्द्रीय विद्यालय संगठन की स्थानान्तरण नीति की प्रक्रिया बिल्कुल अस्पट है और न्याय संगत नहीं है। एक ओर यहां संगठन ने अपने ट्रांसफर गाईड लाईन को पारदर्शी का काम किया है, वही दूसरी ओर इसके दूरगामी परिणामों की अनदेखी की है, जिसके कारण पूरे शिक्षण कार्य में बाधा आ रही है और शिक्षण व्यवस्था पर प्रतिकूल अगर पड़ रहा है।

मान्यवर, दिल्ली महानगर के केन्द्रीय विद्यालय को ट्रांसफर गाईड लाईन के हिसाब से चार हिस्सों में विभाजित किया गया है, सिर्फ इसीलिए कि उन्हें इस नियम से बचाया जाये । यह दोहरी नीति सिर्फ दिल्ली के लिये क्यों ? उसी प्रकार बिहार को पटना क्षेत्रीय कार्यालय मे अवस्थित केन्द्रीय विद्यालय तहत जो नगर क्रमश: पटना जंक्शन, खगौल, दानापुर, रांची और हटिया, वाराणसी और काशी, जमशेदपुर और आदित्यपुर अलग-अलग स्टेशन होने के कारण ट्रांसफर गाईड लाईन में संशोधन किया जाए।

मेरा आपसे आग्रह है कि बिहार की परिस्थितियों को देखते हुए यह न्यायोचित होगा कि सारी स्थानान्तरण प्रक्रिया को अविलम्ब रोका जाए तथा ट्रांसफर गाईड लाईन नीति में आवश्यक संशोधन करने की कृपा करें। इस नीति के कारण बिहार में 280 महिला-पुरुषों, शिक्षकों का स्थानान्तरण किया है, जिसमें कि 130 महिलाओं का स्थानान्तरण उत्तर-पूर्व से लेकर अन्य हिस्सों में कर दिया गया है। इस कारण इनके परिवार छिन्न-विछिन्न होने की स्थिति में है, इसे तत्काल रोका जाए।